



Manav Singh



Sagri Singh

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120701901

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
22/11/1973 :	जन्म तिथि	: 25-26/03/1973
गुरुवार :	दिन	: रवि-सोमवार
घंटे 12:53:00 :	जन्म समय	: 05:55:00 घंटे
घटी 15:09:06 :	जन्म समय(घटी)	: 58:57:33 घटी
India :	देश	: India
Delhi :	स्थान	: Dehradun
28:39:00 उत्तर :	अक्षांश	: 30:19:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:03:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:17:48 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:49:21 :	सूर्योदय	: 06:16:19
17:25:18 :	सूर्यास्त	: 18:31:55
23:29:48 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:29:16
कुम्भ :	लग्न	: मीन
शनि :	लग्न लग्नाधिपति	: गुरु
तुला :	राशि	: धनु
शुक्र :	राशि-स्वामी	: गुरु
स्वाति :	नक्षत्र	: मूल
राहु :	नक्षत्र स्वामी	: केतु
1 :	चरण	: 1
सौभाग्य :	योग	: व्यतिपात
वणिज :	करण	: बव
रु-रूपेश :	जन्म नामाक्षर	: ये-येनी
वृश्चिक :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मेष
शूद्र :	वर्ण	: क्षत्रिय
मानव :	वश्य	: मानव
महिष :	योनि	: श्वान
देव :	गण	: राक्षस
अन्त्य :	नाड़ी	: आद्य
मृग :	वर्ग	: मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
राहु 16वर्ष 7मा 7दि
बुध

01/07/2025

01/07/2042

बुध	27/11/2027
केतु	23/11/2028
शुक्र	24/09/2031
सूर्य	31/07/2032
चन्द्र	30/12/2033
मंगल	27/12/2034
राहु	16/07/2037
गुरु	22/10/2039
शनि	01/07/2042

अंश

07:22:09
06:21:18
07:42:01
01:54:01
17:41:47
13:21:27
23:09:57
10:05:45
05:20:27
05:20:27
02:07:47
13:23:34
12:41:22

राशि

कुंभ
वृश्चि
तुला
मेष व
तुला
मक
धनु
मिथु व
धनु व
मिथु व
तुला
वृश्चि
कन्या

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध व
गुरु
शुक्र
शनि
राहु व
केतु व
हर्ष व
नेप व
प्लूटो व

राशि

मीन
मीन
धनु
मक
कुंभ
मक
मीन
वृष
धनु
मिथु
कन्या
वृश्चि
कन्या

अंश

03:01:50
11:43:34
01:10:23
05:54:17
21:36:39
12:27:12
07:57:17
21:37:56
19:19:09
19:19:09
28:13:21
13:52:34
09:31:49

विंशोत्तरी

केतु 6वर्ष 4मा 18दि
राहु

13/08/2022

13/08/2040

राहु	25/04/2025
गुरु	19/09/2027
शनि	26/07/2030
बुध	11/02/2033
केतु	02/03/2034
शुक्र	02/03/2037
सूर्य	24/01/2038
चन्द्र	26/07/2039
मंगल	13/08/2040

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

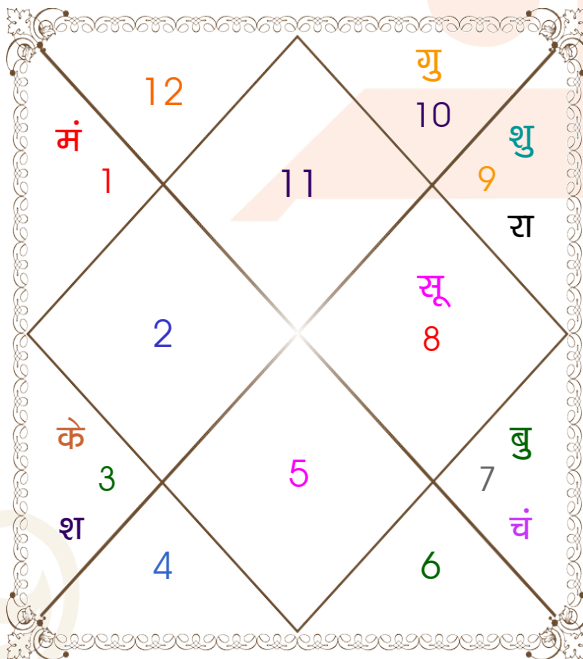
राहु : स्पष्ट

23:29:48

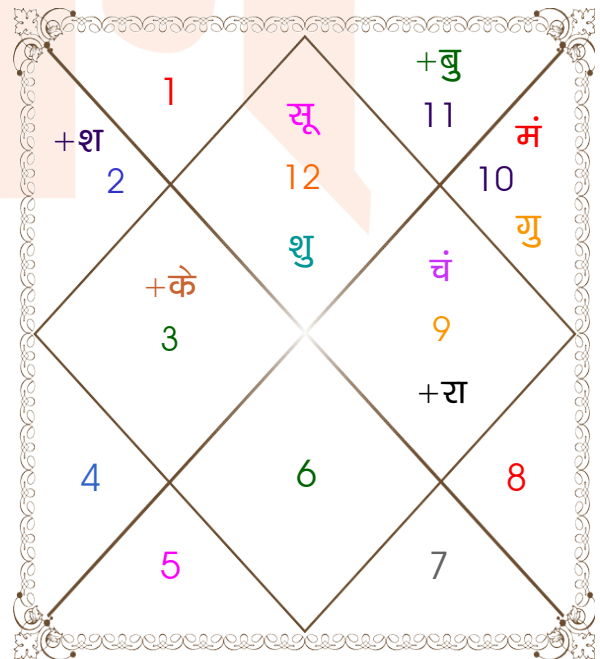
चित्रपक्षीय अयनांश

23:29:16

लग्न-चलित



लग्न-चलित



Er. Vijay Shankar Sharma

4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj

New Delhi-110070

9878463039, 9779763039

vijayvastu39@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

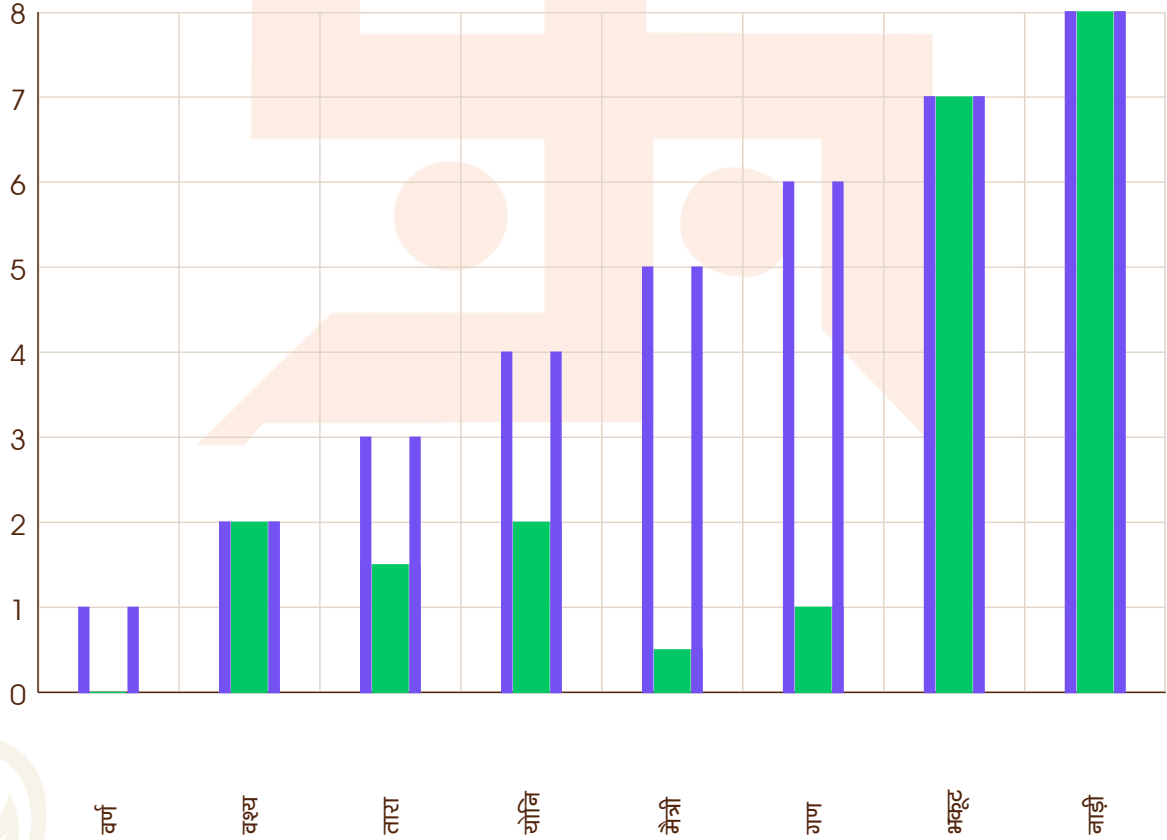
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

22.00

कुल : 22 / 36



Er. Vijay Shankar Sharma

4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj

New Delhi-110070

9878463039, 9779763039

vijayvastu39@gmail.com

अष्टकूट मिलान

Manav Singh का वर्ग मृग है तथा Sagri Singh का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Manav Singh और Sagri Singh का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

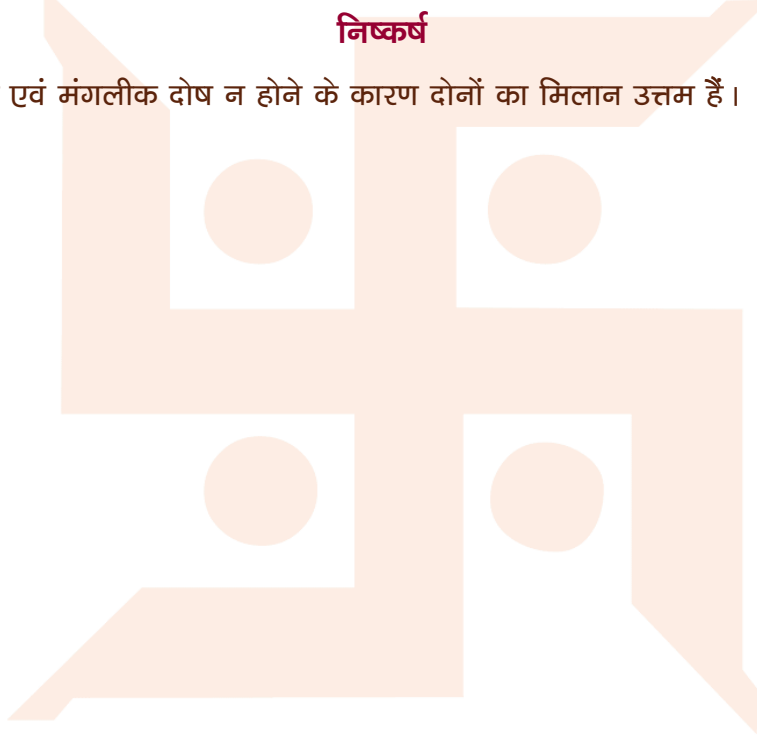
Manav Singh मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Sagri Singh मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Manav Singh तथा Sagri Singh में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Manav Singh का वर्ण शूद्र है तथा Sagri Singh का वर्ण क्षत्रिय है। इसमें Sagri Singh का वर्ण Manav Singh के वर्ण से नीचा नहीं है अतः यह मिलान उत्तम मिलान नहीं है। जिसके कारण Sagri Singh अति वर्चस्वशाली होगी तथा सिर्फ आज्ञा देने वाली होगी। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं तर्क-वितर्क का दौर चलता रह सकता है तथा दोनों के बीच कभी-कभी मार-पीट भी हो सकती है। Sagri Singh का आक्रामक व्यवहार परिवार के सभी सदस्यों का जीना दूभर कर सकता है। परिवार में सुख-शान्ति की स्थापना के लिए Manav Singh को उसकी हर बात माननी होगी तथा गुलाम की भाँति रहना पड़ेगा।

वश्य

Manav Singh का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं Sagri Singh का वश्य भी द्विपद अर्थात् मनुष्य है अर्थात् दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Manav Singh एवं Sagri Singh दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Manav Singh की तारा साधक तथा Sagri Singh की तारा प्रत्यरि है। Sagri Singh की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Manav Singh एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Sagri Singh का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य में अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Sagri Singh के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Manav Singh अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Manav Singh की योनि महिष है तथा Sagri Singh की योनि श्वान है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे

जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Manav Singh का राशि स्वामी Sagri Singh के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Sagri Singh का राशि स्वामी Manav Singh के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Manav Singh का गण देव तथा Sagri Singh का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में Sagri Singh निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। Sagri Singh की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

Manav Singh से Sagri Singh की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Sagri Singh से Manav Singh की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान

Er. Vijay Shankar Sharma

4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj

New Delhi-110070

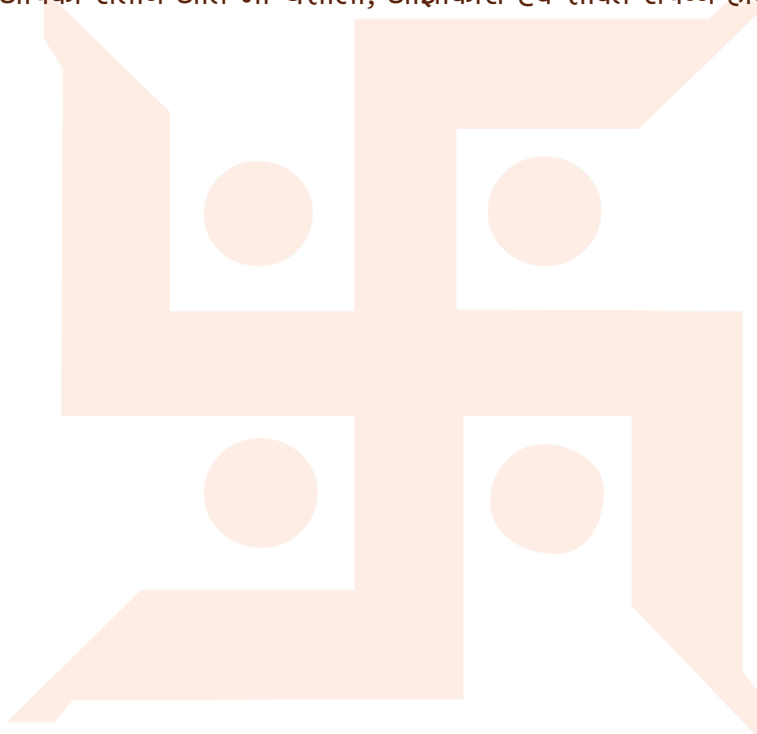
9878463039, 9779763039

vijayvastu39@gmail.com

है। जिसके कारण Manav Singh अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Sagri Singh सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

Manav Singh की नाड़ी अन्त्य है तथा Sagri Singh की नाड़ी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Manav Singh की अन्त्य नाड़ी तथा Sagri Singh की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।



Er. Vijay Shankar Sharma

4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj

New Delhi-110070

9878463039, 9779763039

vijayvastu39@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Manav Singh की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा Sagri Singh की राशि अग्नि तत्व युक्त धनु राशि है। अग्नि और वायु तत्व में नैसर्गिक मित्रता होने के कारण Manav Singh और Sagri Singh में स्वभावगत समानताएं विद्यमान रहेंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Manav Singh की राशि का स्वामी शुक तथा Sagri Singh की राशि का स्वामी गुरु परस्पर शत्रु तथा समराशियों में स्थित है। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से Manav Singh और Sagri Singh के मध्य अनावश्यक मतभेद तथा विरोध का भाव रहेगा जिससे परस्पर संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा। वे एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे यद्यपि Sagri Singh का इसमें सहयोग नगण्य रहेगा परन्तु Manav Singh के द्वारा समस्याएं होती रहेंगी। अतः Manav Singh और Sagri Singh को बुद्धिमता पूर्वक परस्पर संबंध रखने चाहिए।

Manav Singh और Sagri Singh की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों न्यूनता आएगी तथा परस्पर सौहार्द पूर्ण संबंध स्थापित करने के लिए Manav Singh और Sagri Singh तत्पर रहेंगे। वे एक दूसरे की कमियों की अपेक्षा गुणों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे जीवन में सुख शांति एवं सन्तुष्टि में वृद्धि होगी तथा आपस में सहयोग तथा सहानुभूति का भाव भी विद्यमान रहेगा।

Manav Singh और Sagri Singh दोनों का वश्य मानव है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरुचियां समान रहेंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं समान रहेंगी। अतः दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

Manav Singh का वर्ण शूद्र तथा Sagri Singh का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Manav Singh किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे परन्तु Sagri Singh पराक्रमी एवं साहसिक कार्यों को करने में तत्पर रहेंगी।

धन

Manav Singh और Sagri Singh की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Manav Singh और Sagri Singh की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Sagri Singh एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण

संभावना होगी। यह लाटरी या सट्टे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Manav Singh की नाड़ी अन्त्य तथा Sagri Singh की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण दोनों शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ होंगे। जिससे दाम्पत्य जीवन में समृद्धि तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव भी किसी के स्वास्थ्य पर नहीं रहेगा जिससे उत्तम दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा तथा सुख एवं आनंद पूर्वक Manav Singh और Sagri Singh अपना जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

संतान

संतति की दृष्टि से Manav Singh और Sagri Singh का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Manav Singh और Sagri Singh को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Manav Singh और Sagri Singh के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Sagri Singh का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबंधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Sagri Singh के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती हैं उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Sagri Singh सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Manav Singh और Sagri Singh को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Manav Singh और Sagri Singh का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Sagri Singh के सास के साथ संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। साथ ही आयु में पर्याप्त अन्तर होने के कारण इन के मध्य अनावश्यक मतभेद रहेंगे। लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता से व्यवहार करेंगे तो संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा तनाव में न्यूनता आएगी।

Er. Vijay Shankar Sharma

4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj

New Delhi-110070

9878463039, 9779763039

vijayvastu39@gmail.com

ससुर से भी Sagri Singh को इच्छित स्नेह तथा सहानुभूति अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। अतः Sagri Singh को चाहिए कि ससुर की सेवा, सुख सुविधा तथा आराम का पूर्ण ध्यान रखें। इससे उनसे स्नेह के भाव में वृद्धि हो सकती है। लेकिन देवर तथा ननदों के साथ Sagri Singh के संबंध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर सार्थक सामंजस्य का भाव रहेगा तथा मित्रता पूर्ण व्यवहार करके उनसे स्नेह तथा सहानुभूति को प्राप्त करेंगी। इन संबंधों से Sagri Singh सास ससुर से भी इच्छित स्नेह की प्राप्ति करने में समर्थ हो सकती है इस प्रकार ससुराल में इनका जीवन सामान्यतया सुखी ही रहेगा।

ससुराल-श्री

Manav Singh के अपनी सास से संबंध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण इनमें विचार वैभिन्न्यता रहेगी लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा संबंधों में वृद्धि के भी अवसर बनेंगे।

साथ ही ससुर से भी परस्पर संबंधों में विवाद तथा तनाव युक्त वातावरण रहेगा जिससे न ही Manav Singh उनको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे तथा वे भी इन्हें विशेष अपनत्व तथा स्नेह का भाव अल्प ही प्रदान करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों से संबंध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति का भाव रहेगा। इनके संबंधों में मित्रता का भाव भी रहेगा जिससे परस्पर मुक्त भाव से वार्तालाप होता रहेगा। इस प्रकार ससुराल वालों का दृष्टिकोण Manav Singh के प्रति अनुकूल रहेगा तथा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में नित्य प्रयत्नशील रहेंगे।